बाईबल फॉर चिल्ड्रन
प्रस्तुत करता है

नूह और बड़ी बाढ़

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याता: Byron Unger; Lazarus
Alastair Paterson

अनुकूलक: M. Maillot; Tammy S.

अनुवादक: christian-translation.com

निर्माता: Bible for Children
www.M1914.org

©2020 Bible for Children, Inc.
लाइसेंस: आपको इस कहानी की नक़ल बनाने या छापने का अधिकार है, जब तक कि आप इसे बेचते नहीं हैं।

नूह वह इंसान था जो खुदा की ईबादत करता था। दूसरे सारों ने खुदा से नफरत और नाफरमानी की। एक दिन, खुदा ने कुछ चौंकाने वाली बात कही। "मैं इस बुरी दुनिया को ख़तम कर दूँगा," खुदा ने नूह को बताया। "बस तेरा घराना बचाया जाएगा।"

खुदा ने नूह को चेतावनी दी कि एक बड़ी बाढ़
आएगी और ज़मीन को ढक लेगी। "पानी का एक
जहाज़ बना, एक ऐसी किश्ती जो तेरे घराने और
बहुत से जानवरों के लिए काफी हो" नूह
को हुक्म दिया गया था। खुदा ने नूह
को खरे निर्देश दिए।
नूह व्यस्त
हो गया!

लोगों ने शायद
मजाक किया होगा
जब नूह ने बताया कि
वह एक
जहाज़ क्यों
बना रहा
था। नूह बनाता
चला गया। वह
लोगों को खुदा के
बारे में भी बताता
रहा। किसी ने
नहीं सुनी।

नूह का बड़ा ईमान था। उसका खुदा पे बहुत यकीन था जबकि बारिश पहले कभी नहीं गिरी थी। जल्द ही जहाज़ आपूर्ति भरने के लिए त्यार था।

अब जानवर आए। खुदा कुछ प्रजातियों में से सात, अन्यों में से दो को लाया। बड़े पक्षी और छोटे, छोटे और लंबे जानवर जहाज़ तक पहुँच गए।

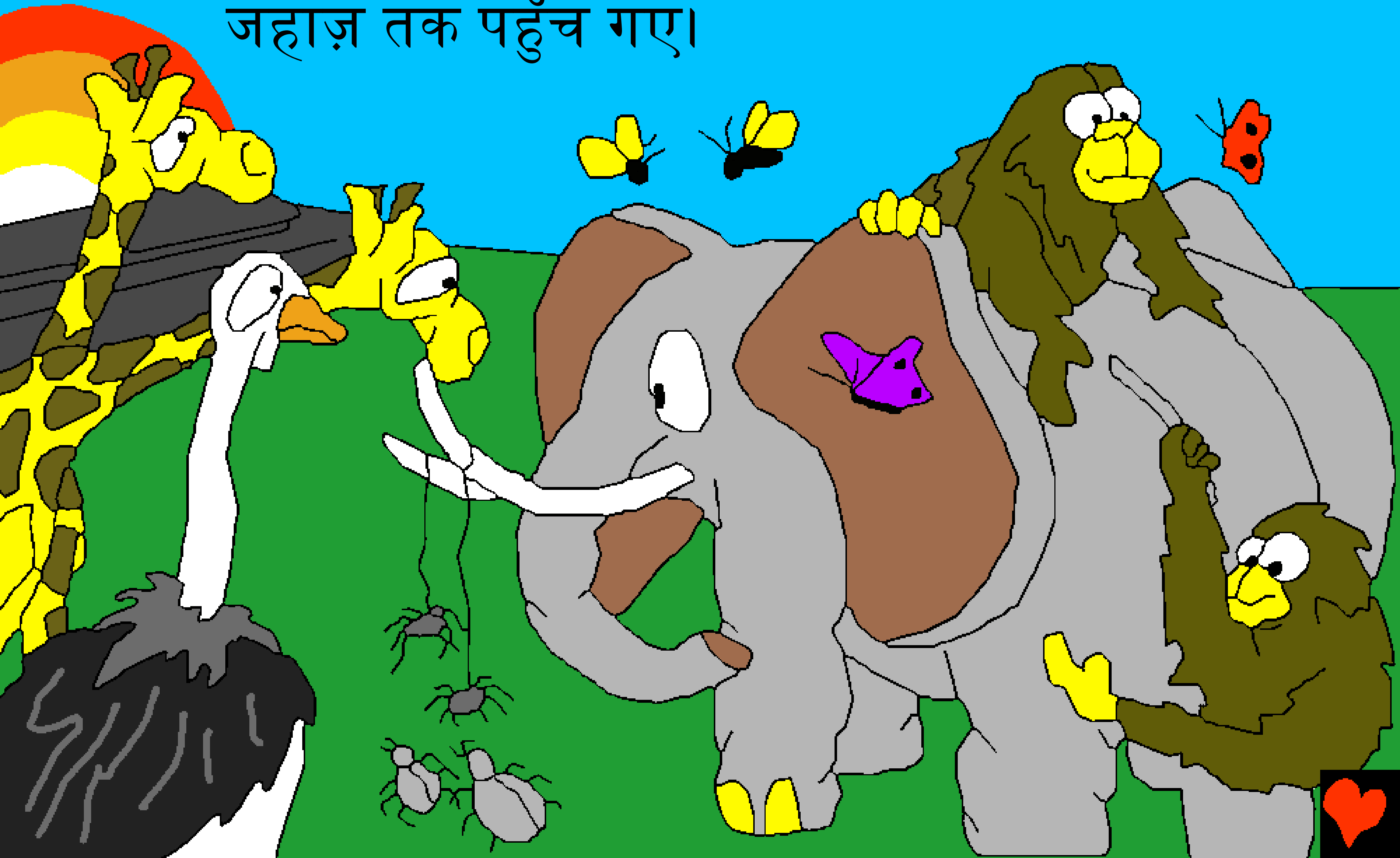

ज़लील करनेवाली बातें बोली होंगी जब नूह जानवरों को चढ़ा रहा था। उन्होंने खुदा के खिलाफ गुनहा करना बंद नहीं किया। उन्होंने जहाज़ में आने के लिए नहीं पूछा।

अंत में, सभी जानवर
और पक्षी चढ़ गए थे।
"जहाज़ में
आ जा," खुदा ने
नूह को आमंत्रित
किया। "तु और तेरा
घराना।" नूह, उसकी बीवी,
उसके तीन बेटे और उनकी
बीवियाँ जहाज़ में दाखिल हुए। तब
खुदा ने दरवाजा बंद कर दिया!

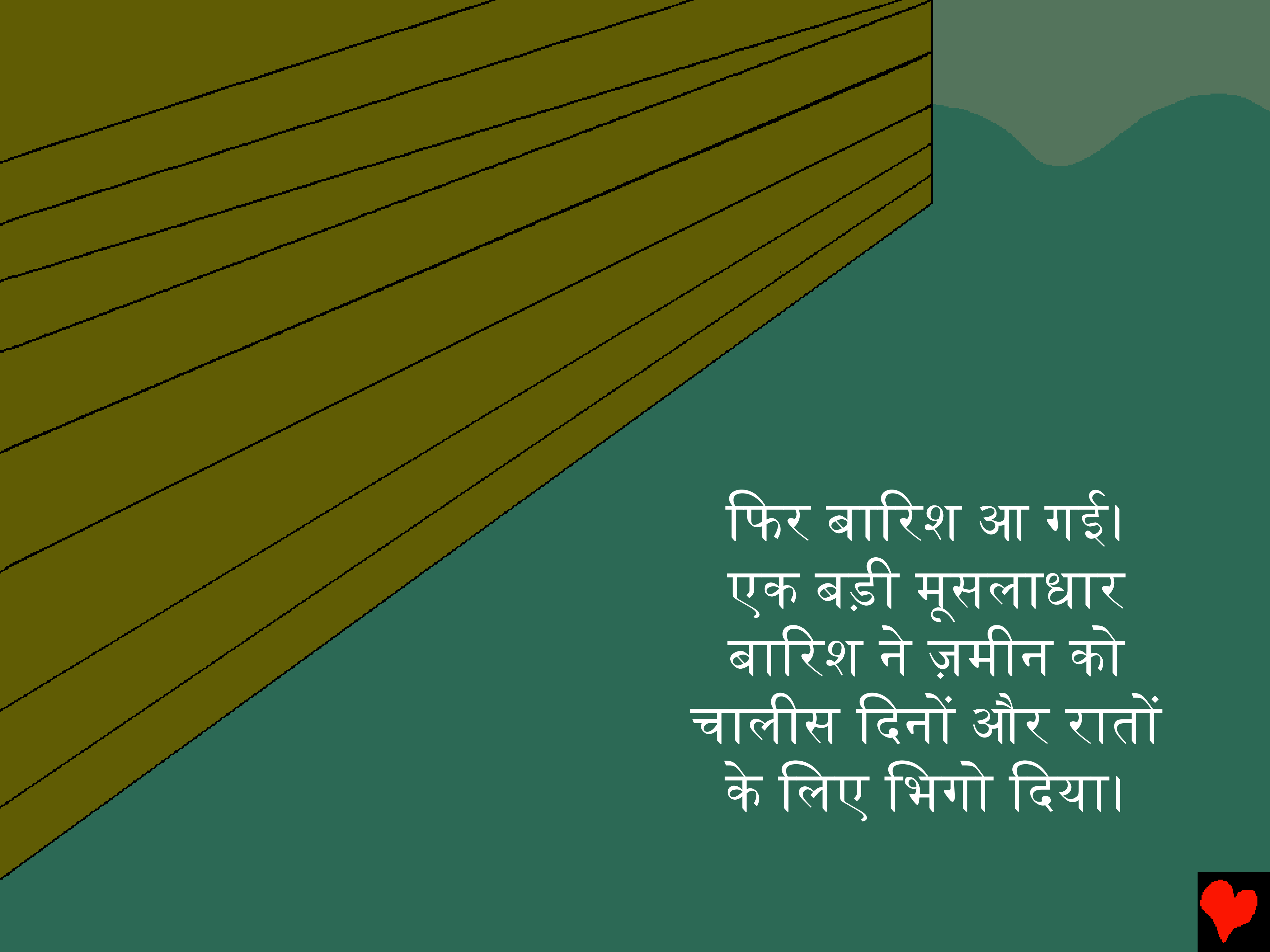

फिर बारिश आ गई।
एक बड़ी मूसलाधार
बारिश ने ज़मीन को
चालीस दिनों और रातों
के लिए भिगो दिया।

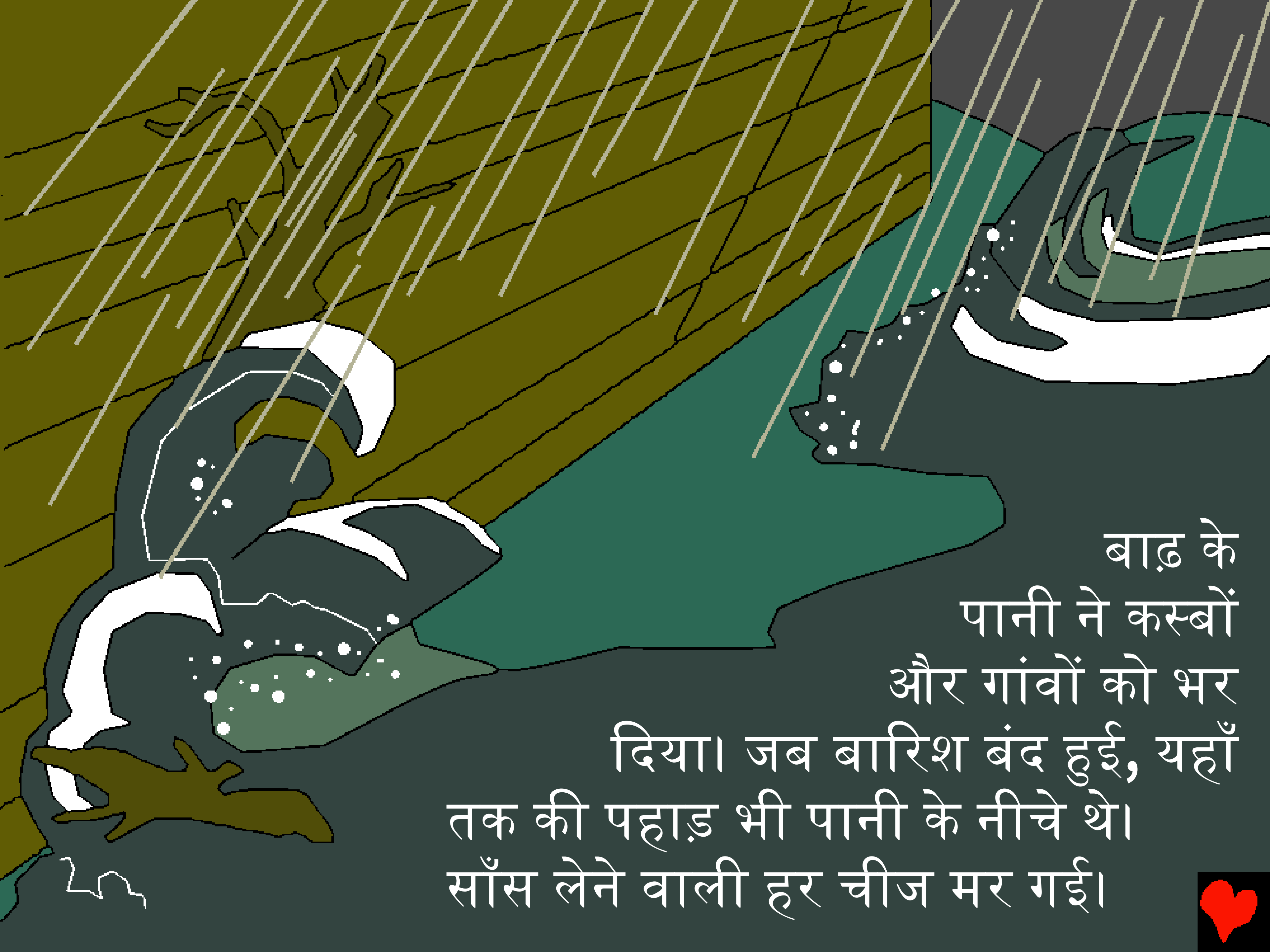

बाढ़ के
पानी ने कस्बों
और गांवों को भर
दिया। जब बारिश बंद हुई, यहाँ
तक की पहाड़ भी पानी के नीचे थे।
साँस लेने वाली हर चीज मर गई।

जैसे-जैसे पानी बढ़ता गया, वैसे-वैसे जहाज़ ऊपर की ओर तैरने लगा। हो सकता है भीतर अंधेरा हो, शायद झटके हों, और शायद डरावना भी हो। लेकिन जहाज़ ने नूह को बाढ़ से शरण दी।

बाढ़ के पाँच महीने बाद, खुदा ने एक
खुश्क हवा भेजी। धीरे-धीरे, जहाज़
अरारत के ऊँचे पहाड़ों में ठहर गया।
नूह चालीस दिन और भीतर रहा
जैसे-जैसे पानी कम
हो रहा था।

नूह ने जहाज़ की खुली खिड़की से एक कौआ और एक कबूतर को भेजा। बैठने के लिए एक सूखी साफ जगह नहीं मिलने पर, कबूतर नूह के पास लौट आया।

एक हफ्ते बाद, नूह ने फिर कोशिश की। कबूतर अपनी चोंच में एक नया जैतून का पत्ता लेकर वापस आया। अगले हफ्ते नूह को पता चल गया कि धरती सूखी है क्योंकि कबूतर वापस नहीं आया।

खुदा ने नूह से कहा कि यह जहाज़ छोड़ने का समय है। मिलकर, नूह और उसके परिवार ने जानवरों को उतार दिया।

नूह ने कितना एहसानमंद महसूस किया होगा! उसने एक वेदी बनाई और खुदा की ईबादत की जिसने उसे और उसके
परिवार को भयानक बाढ़ से बचाया था।

खुदा ने नूह के साथ एक अद्भुत वायदा किया। वह फिर कभी इंसान के पापों का न्याय करने के लिए बाढ़ नहीं भेजेगा।

खुदा ने अपने वादे को एक शानदार यादगार दी। इंद्रधनुष खुदा के वायदे की निशानी थी।

नूह और उसके परिवार को बाढ़ के बाद नई शुरुआत मिली। समय के साथ, उसके वंशजों ने पूरी ज़मीन को फिर से भर दिया। दुनिया के सभी देश नूह और उसके बच्चों से आए हैं।

नूह और बड़ी बाढ़

खुदा के कलाम, बाईबल में से कहानी

में मिलती है

उत्पत्ति **6-10**

“तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता है।”
भजन संहिता **119:130**

खतम

बाईबल की यह कहानी हमें हमारे अनोखे खुदा के बारे में बताती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि तुम उसे जानों।

खुदा जानता है कि हमने बुरे काम किए हैं, जिसे वह गुनाह कहता है। गुनाह की सजा मौत है, लेकिन खुदा तुमसे बहुत मोहब्बत करता है, उसने अपने इकलौते बेटे यीशु को भेजा, सलीब पर मरने और तुम्हारे गुनाहों की सजा के लिए। फिर यीशु दोबारा ज़िंदा हो गया और अपने घर स्वर्ग वापस चला गया! यदि तुम यीशु पर ईमान लाते हो और उसे तुम्हारे गुनाहों को माफ़ करने के लिए कहते हो, तो वह ऐसा करेगा! वह अब आएगा और तुम में वास करेगा, और तुम हमेशा उसके साथ रहोगे।

यदि तुम्हें लगता है कि यह सच्चाई है, तो खुदा से यह कहो: प्यारे यीशु, मेरा ईमान है कि तु खुदा है, और मेरे गुनाहों के कारण मरने के लिए एक इंसान बन गया, और अब तु फिर से जिन्दा है। कृपया मेरे जीवन में आ जा और मेरे गुनाहों को माफ़ कर दे, ताकि मेरे पास अब नया जीवन हो और एक दिन हमेशा के लिए तेरे पास आ जाऊँ। तेरी बात मानने और तेरे बच्चे के जैसे तेरे लिए जीने में मेरी मदद कर। आमीन।

बाईबल पढ़ें और हर दिन खुदा के साथ बात करें! यहुन्ना **3:16**